हे शंखेश्वर पारसनाथ

(राग - आ लौट के आज मेरे मीत)

पारसना..थ, पारसना..थ, पा..रसना..थ

हे शंखेश्वर पारसनाथ (२), आप सारे जग को लुभातें हैं
हमें दर्शन दो दीनानाथ (२), सदा हम गुण तेरे गाते हैं
हे शंखेश्वर पारसना...थ

बरसोंसे प्यासी अंखिया ये मेरी, दर्शन तु अब तो दिखाजा (२)
भुला भटका द्वार पे आया, मन की तु प्यास बूज़ा जा
तेरी महिमा हैं अपरंपार (२) जिसे सुर नर मुनि गातें हैं
हमें दर्शन दो दीनानाथ (२), सदा हम गुण तेरे गाते हैं
हे शंखेश्वर पारसना...थ

तू है दयालु, तु ही कृपालु, तु ही हैं तारणहारा (२)
हम तो पुकारें दिलसे तुज़े प्रभु तु ही हैं पालनहारा
अब तु ही बचा दिनानाथ (२) तुज़े दुःख दर्द सूनातें हैं
हमें दर्शन दो दीनानाथ (२), सदा हम गुण तेरे गाते हैं
हे शंखेश्वर पारसना...थ

वढ़ियार देशमें तु ही बिराजे तेरी हैं शीतल छाया (२)
बिगड़े काज सँवारे तु सबके तेरी निराली हैं माया
करो हम पर प्रभु उपकार (२) तुम्हे अंतरमें बसातें हैं
हमें दर्शन दो दीनानाथ (२), सदा हम गुण तेरे गातें हैं
हे शंखेश्वर पारसना...थ

भाव भक्तिके पुष्प स्वीकारो, पार करो प्रभु नैया (२)
जन्म मरणके फेरे काटो, बनकरके जीवन खेवैया
मांगे नैन तुम्हारा साथ (२) सदा तेरा ध्यान लगातें हैं
हमें दर्शन दो दीनानाथ (२), सदा हम गुण तेरे गातें हैं
हे शंखेश्वर पारसनाथ (२), आप सारे जग को लुभातें हैं
हमें दर्शन दो दीनानाथ (२), सदा हम गुण तेरे गाते हैं
हे शंखेश्वर पारसना...थ

2014-04-22 -